Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

Press Release

Sahitya Akademi organized Face-to-Face and Poetry Reading Programmes

During the New Delhi world Book fair 2026, Sahitya Akademi organized a Face-to-Face programme and Poetry Reading programme on 10th January 2026 in the Hall No. 2 of Bharat Mandapam. In the Face-to-Face programme, Prof. Anamika, eminent Hindi writer; and Ms. Anuradha Sharma Pujari, eminent Assamese writer participated. Sri Anupam Tiwari, Editor Hindi welcomed the distinguished guests and the audience and requested both the writers to share their literary journey and the reason they began writing with the audience.

Prof. Anamika began her speech saying that the nature of the poetry is very similar to the nature of a woman; as a woman a poem also expects its reader to be attentive enough to take her subtle hints. She recalled her childhood spent in a typical Indian town, where the whole of the town was a neighbourhood, nobody was a stranger. She said that growing up in that neighbourhood she learnt that within the very deep of every human's heart there is a jewel and the journey of literature is the quest for that jewel. She also recited one of her famous poem 'Kamardhaniya'.

Ms. Anuradha Sarma Pujari speaking on her literary journey said that she never intended to be a writer, she began writing only accidentally. Speaking on the process of writing, she narrated a conversation she had with her cab-driver while travelling from Chandigarh to Shimla. She shared that the discourse she had with that layman altered her view on the process of creative literature, which also made her realize that the true meaning of literature only becomes clear when the class divides divulge.

The Face-to-Face was followed by a Poetry Reading programme which was chaired by Sri Manohar Batham, former Additional Director General, Border Security Force. Ms. Rashmi Bhardwaj, Sri Hemant Kukreti and Sri Ramesh Prajapati participated in the programme and recited their poems. Ms. Rashmi Bhardwaj read out her poems; 'Laal', 'Visarjan', 'Bhookh', 'Weh Bhi Dilki Tarah Tabhakta Hai', 'Yaad Rakhna Tha', 'Aisi Hi Koi Jagah', and 'Ek Jati Hui Aurat'. Sri Hemant Kukreti recited his poems, 'Ek Din', 'Deewarein', 'Bolte They Bas', and 'Janam Na Mrityu'. Sri Ramesh Prajapati recited his poems, 'Pani ka Vaibhav', 'Yuddh', 'Makai ki Hasee', 'Pani', 'Raat Ki Teheni Par Theheri Ummeed', and 'Dukh'. Sri Manohar Batham recited a few of his poems from his collection on the subject of human trafficking. The poems very sensibly portrayed the plights of women trafficked, the circumstances which force their families to sell them off, the longings of their mothers and fathers.

Sri Anupam Tiwari thanked the participants and the audience on behalf of the Sahitya Akademi for making the programmes a success.

- Pallavi Prashant Holkar

रवींद्र भवन, 35 फ़ीरोज़शाह मार्ग, नई दिल्ली-110 001, दूरभाष : +91-11-23386626-28, फैक्स : +91-11-23382428
Rabindra Bhavan, 35 Ferozeshah Road, New Delhi-110 001, Phone: +91-11-23386626-28, Fax +91-11-2338 2428
E-mail: secretary@sahitya-akademi.gov.in, Website: http//www.sahitya-akademi.gov.in

Ministry of Culture
Government of India

साहित्य अकादेमी
(राष्ट्रीय साहित्य संस्थान)
संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था
Sahitya Akademi
(National Academy of Letters)
An Autonomous Organisation of Government of India, Ministry of Culture

पल्लवी प्रशांत होळकर
सचिव

Pallavi Prashant Holkar
Secretary

प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला 2026 में साहित्य अकादेमी द्वारा दो कार्यक्रम आयोजित

अनामिका और अनुराधा शर्मा पुजारी ने साझा की अपनी रचना-प्रक्रिया

नई दिल्ली, 10 जनवरी 2026; नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में आज साहित्य अकादेमी द्वारा दो कार्यक्रम 'आमने-सामने' और 'कविता-पाठ', हॉल सं.-2 स्थित 'लेखक मंच' पर आयोजित किए गए। 'आमने-सामने' कार्यक्रम में आज साहित्य अकादेमी पुरस्कार प्राप्त दो लेखिकाओं अनामिका (हिंदी) एवं अनुराधा शर्मा पुजारी (असमिया) ने पाठकों के साथ अपनी रचना-प्रकिया साझा करने के साथ ही अपनी रचनाओं का पाठ भी किया। कविता-पाठ में शामिल कवि थे - मनोहर बाथम, हेमंत कुकरेती, रमेश प्रजापति एवं रश्मि भारद्वाज।

अनामिका ने अपनी रचना-प्रक्रिया के बारे में संवाद करते हुए कहा कि अपने बारे में बात करना मुश्किल होता है, ख़ासकर एक क़स्बे की स्त्री के लिए। कविता का स्वभाव औरत के स्वभाव से मिलता-जुलता है। कविता इशारों में बात करती है, यही एक स्त्री के जीवन का शिल्प है । आगे उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध के दौरान का 'ब्लैक आउट' मेरे लेखन का पहला दृश्यबंध है। ब्लैक आउट के दौरान जब अँधेरा होता था तो मेरे माता-पिता सोचते थे कि पेड़ पर एक लालटेन टाँगकर सारी जगह रोशनी फैला दें। साहित्य का काम भी यही है कि जब घनघोर अँधेरा हो जाए तो वहाँ प्रकाश फैलाना। अंत में, उन्होंने अपनी कविता 'कमरधनिया' का पाठ किया, जो गाँव में मिल जुलकर मूसल चला रही औरतों पर आधारित थी।

अनुराधा शर्मा पुजारी ने अपनी रचना-प्रक्रिया के बारे में बताते हुए कहा कि मैं एक्सीडेंटली लेखिका बनी। मैं जब पत्रकारिता की पढ़ाई कर रही थी तभी से लेखन आरंभ किया। मेरे लेखन में दुख, करुणा आदि ज़्यादा होता है क्योंकि मैं हाशिये के लोगों पर लेखन करती हूँ। मेरे जीवन में अकेलापन ज़्यादा रहा है इसलिए मैं प्रकृति से ज़्यादा जुड़ी रही हूँ, मैं अपने प्रत्यक्ष अनुभव से जुड़ी घटनाओं पर ही लिखती हूँ। उन्होंने अपने आत्मकथात्मक संस्मरणों को पाठकों से साझा किया। कविता-पाठ कार्यक्रम में सर्वप्रथम रश्मि भारद्वाज ने स्त्री विमर्श पर आधारित कविता 'लाल' का पाठ किया, साथ ही 'विसर्जन', 'भूख' और 'वो भी दिल की तरह टबकता है' कविताएँ प्रस्तुत कीं।

हेमंत कुकरेती ने मनुष्यों के बीच फैली वैमनस्यता पर आधारित कविता 'दीवारें' प्रस्तुत की, साथ ही 'बोलते थे सब' और 'जन्म न मृत्यु' शीर्षक कविताएँ भी प्रस्तुत कीं। रमेश प्रजापति ने 'पानी का वैभव', 'युद्ध', 'मकई की हँसी', 'पानी', 'दुख' और 'रात की टहनी पर ठहरी उम्मीद' कविताएँ प्रस्तुत कीं। मनोहर बाथम ने पहले दो अप्रकाशित कविताएँ और दो प्रकाशित कविताएँ प्रस्तुत कीं, जो मानव तस्करी पर आधारित थीं। पाठ के आरंभ में प्रख्यात कवि और चित्रकार लीलाधर मंडलोई ने सभी अतिथि कवियों का अंगवस्त्र से अभिनंदन किया। साहित्य अकादेमी के संपादक(हिंदी) अनुपम तिवारी ने कार्यक्रम का संचालन करते हुए सभी अतिथियों का श्रोताओं से परिचय कराया।

कल आमने-सामने कार्यक्रम में साहित्य अकादेमी पुरस्कार विजेता बोडो लेखिका रश्मि चौधरी और डोगरी लेखक मोहन सिंह भाग लेंगे। नासिरा शर्मा की अध्यक्षता में हरिसुमन विष्ट और अवधेश श्रीवास्तव कहानी पाठ करेंगे ।

- पल्लवी प्रशांत होळकर